## भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : जून 2009

## प्रश्न पत्र-V

समय : 3 घन्टे

कुल अक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य है। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान है। भाग-। (फलादेश की मिश्रित एवं उच्च तकनीक)

- 1. (अ) विदेश में शिक्षा पाने का पांच ज्योतिषीय योग बताएँ।,
  - (ब) निम्न कुण्डली का अध्ययन करके बताएं की क्या जातक विदेश में पढ़ रहा है?

जन्म तिथि : 10.10.1978, जन्म समय : 14.20 घंटे, जन्म स्थान : दिल्ली

पुरुष : सूर्य की भोग्य दशा 1व 10मा 7वि

लग्न : मकर 11:33, सूर्य : कन्या 23:8, चन्द्रमा : मकर 5:54, मंगल : तुला 20:26, बुध : तुला 0:11, गुरू : सिंह 12:13, शुक्र : तुला 28:6, शनि : सिंह 15:43, सहु : कन्या 3:4, केतु : मीन 3:4

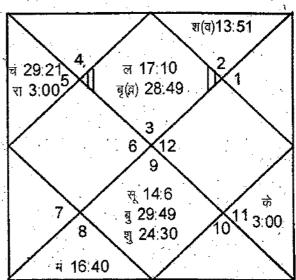
2. किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखे :-

- (अ) अनपत्य योग
- (ब) वित्तीय हानि
- (स) विदेश गमन के योग
- (द) अचल संपत्ति पाने का योग
- (ड) सुखी वैवाहिक जीवन प्राप्त करने का योग
- 3. (अ) प्रश्न 1 में दी गई कुण्डली का देष्कोण बनाए तथा जातक के भाई-बहन के-बारे में चर्चा करें।
  - (ब) 'अस्तंगत ग्रह' का अर्थ पुष्टि करें तथा बतायें की जातक को कैसे पीड़ित करते हैं?
- 4. (अ)वैवाहिक अलगाव के पांच योग बताएँ।
  - (ब) निम्न जातक का वैवाहिक जीवन पर अपना विचार प्रस्तुत करें।

जन्म तिथि : 29.12.1942, जन्म समय : 17.45 धंटे,

जन्म स्थान : अमृतसर, सूर्य की भोग्य दशा : 4.9.18

	श(व)13:51	ल 17:10 बु(व) 28:49
के 3:00		
		चं 29:21 रा 3:00
सू 14:6 बु 29:49 शु 24:30	н 16:40	



- 5. प्रश्न 4 के जातक के व्यवसाय पर व्याख्या करें। भाग-॥ (मेदनीय ज्योतिष एवं मौसम विज्ञान)
- 6. (अ) "सूर्यवीथि" का तात्पर्य क्या है?
  - (ब) सन् 2009 में सूर्य का आर्दा प्रवेश की कुण्डली बनाए।
  - (स) प्रश्न 6(ब) में बनाए आर्दा प्रवेश कुण्डली के आधार पर बताए उसको मेदनीय ज्योतिष में कैसे प्रयोग करेंगे?
- 7. "सप्रनाडी चक्र" पर प्रकाश डालते हुए सन् 2009 में वर्षा के प्रभाव बताएँ।
- किन्हीं दो का ज्योतिषीय तथ्य बनाएँ
  - (अ) सोने के भाव में उतार-चढाव
  - (ब) भूकप
  - (स) बाढ
  - (द) सूखे का योग
- 9. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखें :-
  - (अ) यात्रा में सड़क दुधर्टना
  - (ब) संघाड चक्र
  - (स) महामारी का प्रकोप
  - (द) अतिवर्षा होने का योग
- 10. कूर्म चक्र के बारे में बताते हुए उसकी उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।